भारतीय मजदूर संघ

रामनरेश भवन, तिलक गली, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055
दूरभाष : 011-23584212, 23562654, फैक्स : 011-23582648

प्रेस विज्ञप्ति

बी.एम.एस. की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में वैश्विक आर्थिक मंदी पर चर्चा

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2009 : भारतीय मजदूर संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की 117वीं बैठक दिल्ली में सम्पन्न हुई । बैठक में वैश्विक आर्थिक मंदी का भारत में प्रभाव पर चर्चा तथा विचार हुआ तथा एक प्रस्ताव भी पारित कर सरकार से मांग की कि वह नीतियाँ बनाते समय निम्नलिखित विषयों को ध्यान में रखे :-

(1) रूपये की पूर्णरूप से परिवर्तनीयता (Covertability) को न माना जाय।

(2) नये उदार आर्थिक सुधारों (उदारीकरण) पर रोक लगाई जाय ।

(3) सीमित रेगुलेटरी पद्धति के कारण हमारे देश को कम नुकसान हुआ है इसलिए रेगुलेटरी पद्धति को समाप्त न किया जाय ।

(4) सरकार द्वारा 20 हजार करोड से ज्यादा का प्रोत्साहन बेल-आऊट पैकेज केवल पूंजीप्रतियों को न देकर श्रमिक क्षेत्र की भलाई के लिए भी दिया जाय ।

(5) उच्च स्तर पर कार्यरत अधिकारियों के वेतन को सीमित किया जाय तथा फेल हुई कम्पनियों के CEOs की नुकसान के लिए जिम्मवारी तय की जाय ।

(6) भारत को अपनी आर्थिक नीतियाँ बनाते समय नीति शास्त्र का अनुसरण करना चाहिए । केवल बाजारीकरण के लालच की नीतियों से बचना चाहिए । उदाहरण के रूप में पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय द्वारा बताया गया 'एकात्म मानववाद', गांधी जी द्वारा बताया गया

'हिन्द-स्वराज' तथा ठेंगड़ी जी द्वारा बताया 'थर्ड वे' के आधार पर विकास के लिए रास्ता चुनना चाहिए ।

(7) हम सरकार से मांग करते हैं कि वह आर्थिक मंदी का भारत के श्रम क्षेत्र पर असर के लिए तुरन्त एक त्रि-स्तरीय बैठक का आयोजन सभी हितधारकों के साथ आयोजित करे ।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद **"मार्क्सवाद तथा पूँजीवाद का विकल्प"** विषय पर दो दिन की विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी को जाने-माने अर्थशास्त्री तथा लेखक श्री एस. गुरुमूर्ति, डा. बजरंग लाल गुप्ता तथा प्रो0 भगवती प्रसाद शर्मा ने सम्बोधित किया। विचार गोष्ठी को आई.एल.ओ. के श्री पोंगसुल तथा राष्ट्रीय कृषि मुल्य निर्धारण कमेठी के पूर्व अध्यक्ष श्री टी. हक़ ने भी सम्बोधित किया । सभी वक्ताओं की एक राय थी कि हमें पश्चिमी विकास मॉडल का अन्धाधुंध अनुसरण नही करना चाहिए तथा विकास के लिए एकात्म मानववाद दर्शन को अपनाना चाहिए ।

भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा 1989 में मार्क्सवाद के पतन की घोषणा काफी पहले ही कर दी गई थी। उन्होंने 1991 में ही पूँजीवाद के उतार की भी घोषणा की थी कि पूँजीवाद 2010 से पहले पतन की ओर अग्रसर हो जायेगा ।

बी.एम.एस. ने तय किया है कि इस प्रकार की विचार गोष्ठियाँ सभी प्रदेश स्तर तथा औद्योगिक महासंघों के स्तर पर पूरे देश में आयोजित की जायेंगी ।

(अश्वनी राणा)
मीडिया प्रभारी
9810828787